सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, गुरुवार, 20 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 309, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड कानपुरः ओवर लोडिंग में 10 डंपर सीज, 50 के चालान... » Pg06

» Pg12

सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन लखनऊ में ली अंतिम सांस

बिहार की राजनीति के लिए ऐतिहासिक दिन

नीतीश कुमार ने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

गांधी मैदान बना गवाह, डिप्टी सीएम हुए रिपीट, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री सहित तमाम विपक्षी नेताओं ने दी बधाई

» शपथग्रहण में दिखा एनडीए का शक्ति प्रदर्शन।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

पटना। बिहार की राजनीति के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 20 नवंबर 2025 को बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में रिकॉर्ड दसवीं बार शपथ लेकर भारतीय राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है। वहीं सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। नीतीश के अलावा 25 सदस्यों ने मंत्री पद की शपथ ली। एनडीए की प्रचंड जीत के बाद, पटना का ऐतिहासिक गांधी मैदान इस भव्य शपथ ग्रहण समारोह का गवाह बना। समारोह आज सुबह 11.30 बजे गांधी मैदान में शुरू हुआ। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ सहित कई अन्य राज्यों के सीएम भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

डिप्टी सीएम के अलावा बीजेपी कोटे से मंगल पांडे, दिलीप जायसवाल, नितिन नवीन, राम कृपाल यादव, श्रेयसी सिंह, संजय टाइगर, रमा निषाद, नारायण शाह, सुरेंद्र मेहता, लखेंद्र पासवान, अरुण शंकर प्रसाद और प्रमोद चंद्रवंशी को भी नई कैबिनेट में जगह मिली। एलजेपी (आर) से सुनील कुमार और संजय कुमार सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली। जबकि एनडीए के साथी हम से संतोष कुमार सुमन नई कैबिनेट में शामिल हुए। वहीं राष्ट्रीय लोक मोर्चा से दीपक प्रकाश ने मंत्री पद की शपथ ली।

शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद रहे प्रधानमंत्री

गांधी मैदान में आयोजित इस भव्य शपथ ग्रहण समारोह में देश के कोने-कोने से विशिष्ट अतिथियों का जमावड़ा लगा। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कई राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। इनमें उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मोहन यादव और महाराष्ट्र के देवेन्द्र फडनवीस जैसे प्रमुख नेता शामिल थे।

कब-कब ली सीएम पद की शपथ

नीतीश कुमार ने अपने राजनीतिक करियर में कुल दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। पहली बार उन्होंने 3 मार्च 2000 को शपथ ली थी। दूसरी बार 24 नवंबर 2005 को, तीसरी बार 26 नवंबर 2010 को, चौथी बार 22 फरवरी 2015 को, पांचवीं बार 20 नवंबर 2015 को, छठी बार 27 जुलाई 2017 को, सातवीं बार 16 नवंबर 2020 को, आठवीं बार अगस्त 2022 में, नौवीं बार 28 जनवरी 2024 को और दसवीं बार 20 नवंबर 2025 को शपथ ली है। उनका यह दसवां कार्यकाल भारत के किसी भी मुख्यमंत्री के लिए एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है।

शपथ के दौरान जैसे ही कहा- मैं नीतीश कुमार भीड़ ने जोरदार उत्साह के साथ उनका स्वागत किया।

पीएम मोदी की 'गमछा पॉलिटिक्स' और मंच पर दिखा बिहारी अंदाज

बिहार की राजनीति में गमछा सिर्फ परिधान नहीं, संस्कृति, सम्मान और जनभावना का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे बखूबी समझा और बीते कुछ महीनों में इसे लगातार अपने जनसंपर्क और राजनीतिक संदेश का हिस्सा बनाया। यही वजह है कि बुधवार को गांधी मैदान में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने एक बार फिर बिहारी स्टाइल में गमछा लहराया, और मैदान तालियों, नारों और उत्साह से गूंज उठा।

समारोह में सांसद मनोज तिवारी और नव-निर्वाचित विधायक मैथिली ठाकुर ने भी अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, जिसमें जट-जटिन, झिझिया, सामा-चकेवा जैसे लोक नृत्यों के माध्यम से बिहार की संस्कृति की झलक दिखाई गई।

बिना चुनाव लड़े उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश बने मिनिस्टर

बिहार में एनडीए के सहयोगी और दिग्गज नेता उपेंद्र कुशवाहा ने अपने बेटे दीपक प्रकाश को नीतीश कुमार सरकार में मंत्री बनाकर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक चाल चली है। दीपक प्रकाश को आरएलएम के कोटे से मंत्री बनाया गया है, जबकि उन्होंने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है और वह फिलहाल किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने विदेश से पढ़ाई पूरी की है। सूत्रों के अनुसार, चुनाव से पहले ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उपेंद्र कुशवाहा के बीच डील हो गई थी। सीटों के बंटवारे के दौरान उपेंद्र कुशवाहा की नाराजगी दूर करने के लिए, अमित शाह ने उन्हें 6 सीटों के साथ-साथ एक एमएलसी पद भी ऑफर किया था।

नीतीश कुमार की टीम में एकमात्र मुस्लिम चेहरे के रूप में मोहम्मद जमा खान को शामिल किया गया है।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने दीं शुभकामनाएं

नीतीश कुमार के शपथ लेने के बाद शुभकामनाओं और बधाइयों का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में तेजस्वी यादव समेत विपक्ष के कई नेताओं ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की बधाई दी। राजद नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार रहे तेजस्वी यादव ने एक्स पर लिखा, नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले बिहार सरकार के सभी मंत्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

दर्दनाक हादसा

बिल्हौर बस हादसे की दुखद दास्तां...

‘सिस्टर, मेरा बच्चा कहाँ है? बस एक बार दिखा दो’

» मां आईसीयू में बेटे को पुकारती रहीज और पिता बिलखता रहा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर/बिल्हौर। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण हादसे ने एक ऐसी दर्दभरी कहानी छोड़ दी है, जिसको पढ़कर दिल कांप उठता है। पांच वर्षीय अनुराग की मौत ने उसके परिवार को ऐसा जख्म दे दिया है, जो शायद जिंदगी भर नहीं भर सकेगा। हैलट अस्पताल के रेड जोन में लेटी अनुराग की मां गुड्डी बार-बार यही सवाल दोहरा रही हैं। हादसे में उनका दायां पैर कट गया, शरीर पर घाव हैं, लेकिन दिल पर सबसे भारी घाव है अपने बेटे की तलाश।

होश में आते ही उन्होंने पति अजय से पूछा कि बिटिया तो दिख रही हैज पर मेरा अनुराग कहाँ है? वो अच्छा तो है न?। अजय यह सुनकर अंदर से टूट जाते हैं। आंखें भर आती हैं, लेकिन पत्नी को यह बता पाने की हिम्मत उनमें नहीं कि उनका इकलौता बेटा अब इस दुनिया में नहीं है। डॉक्टरों ने भी साफ कह दिया कि इस हालत में सच बताना खतरनाक होगा।इसलिए उन्हें यही बताया जा रहा है कि बच्चे दूसरे वार्ड में सुरक्षित हैं।

कफन में लिपटा बेटा, और उसके ऊपर लेट गया पिता

बुधवार को अनुराग का पोस्टमॉर्टम पूरा हुआ। छोटा सा सफेद कफन, मासूम सा चेहराज और पिता की फटी हुई चीखें। जब अजय चौधरी ने अपने बेटे के शव को हाथों में उठाया, तो मानो उनका संसार उसी क्षण ढह गया। नजीराबाद कब्रिस्तान में बेटे को दफनाते वक्त अजय खुद कब्र पर गिर पड़े। रोते-रोते उन्होंने मिट्टी को सीने से लगा लिया। आसपास मौजूद लोग भी उन्हें देखकर रो पड़े।उनकी 3 साल की बेटी हिमांशी भी पिता के गले से चिपटकर फफक पड़ी। कुछ समझ नहीं पा रही, बस हर चेहरे पर आंसू देख रो रही थी। घर में 22 दिन पहले बजी थी खुशियों की आवाज़26 अक्टूबर को ही अनुराग का जन्मदिन था। घर में हंसी-खुशी थी। उसे साइकिल गिफ्ट की गई थी, जिसे चलाना वह रोज सीख रहा था। अब वही साइकिल घर के एक कोने में खामोश खड़ी है।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे के बस हादसे ने एक परिवार की दुनिया उजाड़ दी

अनुराग, मृतक

अजय टूटे हुए शब्दों में कहते कि अब ये साइकिल कौन चलाएगा

टूट चुकी मां, बहादुरी दिखाते पिताज और मासूम बहन की चीखें

अजय 24 घंटे से अपनी बेटी को गोद में लेकर पोस्टमॉर्टम हाउस और अस्पताल के बीच भागदौड़ कर रहे हैं। न उन्होंने खाना खाया, न पानी पीया। बस हर मिनट पत्नी को संभालते हुए खुद को अंदर ही अंदर बिखरने से रोक रहे हैं।

गुड्डी बार-बार पूछती हैं—

अनुराग क्यों नहीं दिखाई दे रहा, उसे मेरे पास ले आओ

लेकिन हर बार उनके पति की चुप्पी उनके दिल की बेचैनी बढ़ा देती है।अजय मूल रूप से बिहार के शिवहर जिले के सोनवर्षा गांव के रहने वाले हैं। गांव में मातम पसरा है। रिश्तेदार लगातार कानपुर के लिए रवाना हो रहे हैं।

कंस्ट्रक्शन कंपनी में लगी भीषण आग

» शॉर्ट सर्किट से हादसा,दमकल की आठ गाड़ियों ने पाया काबू

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। फजलगंज इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित एक कंपनी में भीषण आग लग गई। हादसा शॉर्ट सर्किट से हुआ है। सूचना पर पहुंची दमकल की आठ गाड़ियों ने आग पर काबू पाया है।कानपुर में फजलगंज थाना क्षेत्र के इंडस्ट्रियल एरिया में गुरुवार दोपहर कंस्ट्रक्शन कंपनी के गोदाम में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। लपटें देख वहां मौजूद कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई। आसपास फैक्टरी वालों की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग बुझाना शुरू किया।एमराल्ड गार्डन निवासी विकास अग्रवाल की फजलगंज इंडस्ट्रियल एरिया में विष्णु सरन एंड कंपनी की कंस्ट्रक्शन कंपनी का गोदाम है। वहां करीब 12-45 शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। साइट के मैनेजर सनत कनोडिया ने बताया कि साइट पर रखा शटरिंग, प्लाईवुड, शटरिंग ऑयल समेत अन्य चीजों में आग लग गई।

आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। सूचना पर सीएफओ दीपक शर्मा फजलगंज, कर्नलगंज, लाटूश रोड के साथ करीब आठ दमकल गाड़ियों के साथ पहुंचे और आग बुझाना शुरू किया। आग पर अभी भी काबू पाया जा रहा है। पुलिस जांच में जुटी है।

एक साथ कमरे में सो रहे थे सुबह मिली चारों युवकों की लाश

» नशा या सर्दी से बचने के लिए जलाई आग का धुंआ, इन दोनों बिंदुओं पर पुलिस कर रही है जांच

» एक ही कंपनी में काम करते थे चारों युवक, सुबह साथी के जगाने पर नहीं खुला दरवाजा पुलिस ने तोड़ा

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। पनकी इंडस्ट्रियल एरिया में गुरुवार की सुबह हडक़ंप मच गया, जब ऑयल सीड्स कंपनी में काम करने वाले चार युवकों की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हो गई। ये सभी युवक कंपनी परिसर में बने एक कमरे में साथ सोते थे। हमेशा की तरह उनके साथी सुबह उन्हें काम पर जाने के लिए जगाने पहुंचे, लेकिन दरवाजा खटखटाने पर अंदर से कोई आवाज नहीं आई। काफी देर तक आवाज न आने पर साथी को शक हुआ और उसने तुरंत कंपनी मैनेजमेंट को बुलाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। जब पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह दरवाजा तोड़ा गया, तो सामने का दृश्य देखकर हर कोई दंग रह गया कमरे में चारों युवक मृत पड़े थे।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कमरा अंदर से बंद था और खिड़कियां भी ठीक से नहीं खुलती थीं, जिससे वेंटिलेशन लगभग न के बराबर था। कमरे के बीचों-बीच एक तसले में जलता हुआ कोयला मिला। कमरे में चेहरा ढककर सोने के संकेत भी मिले हैं, जो यह दर्शाते हैं कि ठंड के कारण चारों ने रात में अंगीठी का सहारा लिया होगा। पुलिस के अनुसार, सबसे बड़ा कारण कोयले के धुएं का बंद कमरे में भर जाना माना जा रहा है, जिससे चारों का दम घुट गया।

फोरेंसिक टीम ने कमरे को सील कर गैस, धुएं, ऑक्सीजन लेवल और रासायनिक अवशेषों की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान अमित वर्मा (32), संजू सिंह (22), राहुल सिंह (23) और दौड़ अंसारी (28) के रूप में हुई। चारों देवरिया जिले के थाना तरकुलवा के तौकलपुर गांव के रहने वाले थे।परिवार वालों को सूचना दे दी गई है और वे कानपुर रवाना हो चुके हैं। गांव वालों के अनुसार, चारों युवक करीब एक वर्ष से कानपुर में एक साथ रहकर नौकरी कर रहे थे और हर त्योहार में घर लौटते थे। उनकी मौत की खबर जैसे ही गांव पहुंची तो मातम छा गया।

अलाव के लिए इस्तेमाल हुआ तसला

विशेषज्ञों की राय :क्या 'फिक्स' नशा भी हो सकता है वजह?

पुलिस की ओर से अभी तक सिर्फ धुएं से दम घुटने की आशंका जताई गई है, लेकिन विशेषज्ञों ने इस घटना को देखते हुए एक और एंगल उठाया है 'फिक्स' नामक नशा, जिसे कुछ लोग आग या अंगीठी की आंच में बैठकर लेते हैं क्योंकि इससे शरीर का तापमान तेजी से गिर जाता है। फिक्स' नशा शरीर के तापमान को अत्यंत कम कर देता है।इसके सेवन के बाद व्यक्ति अक्सर आग के पास बैठता है ताकि शरीर संतुलित रहे।ज्यादा मात्रा या धुआं फेफड़ों में जाने पर तुरंत मौत तक हो सकती है।बीते वर्ष पनकी क्षेत्र में इसी तरह का एक मामला सामने आया था, जिसमें आग के पास बैठकर 'फिक्स' लेने से युवक की मौत हो गई थी। हालांकि, मौजूदा मामले में पुलिस अभी इसे केवल संभावना मान रही है। पोस्टमॉर्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट तय करेगी कि क्या चारों ने कोयले के धुएं की वजह से दम तोड़ा या इसमें नशे का कारण भी है।

कानपुर क्लब में 'परमाणु बम'

» सेना अधिकारी के पास आए धमकी भरा फोन से मचा हडक़ंप

» पुलिस-सेना ने की घेराबंदी; बम निरोधक दस्ते ने खोला बॉक्स

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। कैंट क्षेत्र मंगलवार रात उस समय दहशत में आ गया जब कानपुर क्लब स्थित डाकघर के पास रखे एक संदिग्ध बॉक्स को किसी ने 'परमाणु बम' बता दिया। सूचना सीधे सेना के एक अधिकारी को दी गई, जिसके बाद पुलिस, सेना और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। घटना बुधवार शाम करीब 7 बजे की है। जांच के दौरान लेटर बॉक्स के नीचे एक छोटा बक्सा और पास में टूटी-फूटी अंग्रेज़ी में लिखा एक पत्र मिला।

पत्र में दावा किया गया था यह एक परमाणु बम है, जिसे केवल ऋषभ जायसवाल ही निष्क्रिय कर सकता है। पत्र में मोबाइल नंबर और हरबंश मोहल्ला का पता भी लिखा था।पुलिस ने दिए गए नंबर पर कॉल किया, पर जवाब नहीं मिला। हालांकि व्हाट्सऐप पर संदेश भेजने पर रिप्लाई आया। यह एक परमाणु बम है।

बम निरोधक दस्ते ने तुरंत बॉक्स की जांच की। बॉक्स खोलने पर सभी ने राहत की सांस ली अंदर पावर बैंक की बैटरी के टुकड़े और एक इलेक्ट्रॉनिक सर्किट मिला, न कि कोई विस्फोटक सामग्री।एसीपी कैंटोनमेंट आकांक्षा पांडे के अनुसार, आरोपी युवक ऋषभ जायसवाल, हरबंश मोहल्ला निवासी है। उसके पिता शादियों में इलेक्ट्रिशियन का काम करते हैं। प्राथमिक जांच में सामने आया कि युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त है और कुछ दिन पहले उसे अस्पताल में भर्ती भी कराया गया था। हालांकि स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर शब्बरूल हसन ने इसे मॉक ड्रिल बताया है, लेकिन पुलिस पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कर रही है कि युवक ने यह हरकत क्यों की और पत्र तथा 'परमाणु बम' जैसी कहानी कैसे तैयार की। घटना के बाद देर रात तक पुलिस-सेना की टीमें कैंट क्षेत्र में सतर्क रहीं।

प्रधान, सचिव, तकनीकी सहायक सहित 15 पर कार्रवाई

फर्जी हाजिरी से मनरेगा में लाखों का घोटाला उजागर

तीन बीडीओ तक पहुंची आंच, नोटिस जारी कर जवाब-तलब

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर के सैबसू ग्राम पंचायत में मनरेगा के नाम पर चल रहे करोड़ों के खेल का बड़ा भंडाफोड़ हुआ है। बुधवार को प्रशासन ने भारी कार्रवाई करते हुए प्रधान, तीन सचिव, दो तकनीकी सहायक, लेखा कर्मियों सहित कुल 15 लोगों पर गाज गिरा दी। घोटाले का तरीका चौंकाने वाला था कागजों पर पूरा काम, मस्टररोल में मजदूरों की फर्जी हाजिरी और खातों में सीधा गोलमाल। पूरे खेल में सिर्फ नाम बदलते रहे, लेकिन तरीका वही विकास कार्य सिर्फ सरकारी फाइलों में चमकते रहे। ग्रामीणों की शिकायतों के बाद लोकपाल दिनेश कुमार ने विस्तृत जांच की।

» कागजों पर काम, मस्टररोल में फर्जी हाजिरी

» 17 विकास कार्यों में शुरू से अंत तक घोटाला।

जांच में पता चला कि वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान मनरेगा के अंतर्गत चक रोड, नाला निर्माण और इंटरलॉकिंग जैसे 17 विकास कार्य दिखाए गए थे। लेकिन हकीकत यह थी कि ज्यादातर काम सिर्फ कागजों पर पूरे किए गए। मस्टररोल में मजदूरों की हाजिरी फर्जी भरी गई और भुगतान कराकर मोटी रकम बांटी गई।

जानकारी के अनुसार जांच रिपोर्ट में साफ लिखा है कि यह घोटाला किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि एक संगठित गिरोह की तरह कार्य कर रही पंचायत टीम का था। प्रधान, सचिव, तकनीकी सहायकों और लेखा कर्मियों की मिलीभगत से पूरा तंत्र भ्रष्टाचार में लिप्त पाया गया।अधिकारियों ने साफ कहा है कि सैबसू में मनरेगा गड़बड़ियों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। 15 दोषियों से 26 लाख रुपये की वसूली का आदेश दिया गया है।

विभागीय कार्रवाई और सेवा समाप्ति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। सैबसू का यह मामला अब इलाके में चर्चा का बड़ा मुद्दा बन गया है क्योंकि यह सिर्फ गड़बड़ी नहीं, बल्कि मनरेगा के नाम पर चल रहा संगठित भ्रष्टाचार का पूरा नेटवर्क था, जिसमें पहली बार इतनी बड़ी कार्रवाई में नकेल डाली गई है।

इन पर गिरी गाज

मामले में सचिव संदीप ज्ञानवीर, शिवपाल, रोहन कनौजिया, प्रधान विमलेश मिश्रा, तकनीकी सहायक प्रमोद कुमार, इंद्र कुमार, ललित कुमार, लेखा सहायक प्रदीप तिवारी, प्रीति, शिशिर और दीप सहित 15 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

सभी पर विभागीय कार्रवाई, सेवा समाप्ति का नोटिस और पद के दुरुपयोग पर भारी अतिरिक्त जुर्माना लगाया गया है। इतना ही नहीं, पूरे मामले की आंच तीन बीडीओ तक पहुंच गई है, जिन्हें नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

सवारी की तहरीर पर बस मालिक व चालक के खिलाफ केस दर्ज

एक्सप्रेसवे हादसा: मंगलवार को पलटी थी डबलडेकर बस, दुर्घटना में तीन यात्रियों की मौत, 25 लोग हुए थे घायल

ड्राइवर के लहराकर चलाने से एक्सप्रेस वे पर हुआ भीषण हादसा, सवारियों को किया अनसुना

दिल्ली से सिवान जा रही डबल डेकर पलटी, तीन की मौत, दो दर्जन घायल

दो की हालत नाजुक आईसीयू में भर्ती, हादसे के बाद मौका देख भाग निकला बस चालक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में पुलिस ने जांच की दिशा आगे बढ़ाते हुए बस के मालिक और चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। यह कार्रवाई घटना के एक दिन बाद एक घायल यात्री द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर की गई है।

मंगलवार तड़के करीब 3:20 बजे अरौल थाना क्षेत्र के 216 माइल स्टोन के पास डबल डेकर बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई थी। हादसा मकनपुर और रेस्ट एरिया के मध्य हुआ था। बस सीवान की ओर जा रही थी। दुर्घटना में शिवगढ़ (बिहार) के 5 वर्षीय अनुराग पुत्र अजय चौधरी, चंपारण की 30 वर्षीय नसीम आलम और सिवान निवासी 26 वर्षीय शशि गिरि की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि 25 यात्री घायल हुए थे।

थानाध्यक्ष जनार्दन सिंह यादव के मुताबिक, बुधवार को संगम बिहार (साउथ दिल्ली) निवासी यात्री हसन अली ने बस की संख्या के आधार पर तहरीर दी, जिसके बाद अज्ञात बस मालिक और चालक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने बताया कि बस से संबंधित परमिट, मालिकाना हक और संचालन से जुड़ी अन्य जानकारियां खंगाली जा रही हैं। साथ ही दुर्घटना के समय बस में कितने यात्री सवार थे, इसकी भी पुष्टि की जा रही है। जांच दल ने एक्सप्रेसवे से लेकर बस टर्मिनल तक के रूट की भी पड़ताल शुरू कर दी है, ताकि हादसे के कारणों को स्पष्ट किया जा सके।

बिल्हौर में गुण्डई के बल पर नाली निर्माण में बाधा

तनाव: ग्राम प्रधान ने एसडीएम से की कार्रवाई की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर ब्लॉक के ग्राम पंचायत नसिरापुर में नाली निर्माण को लेकर तनाव की स्थिति बन गई है। ग्राम प्रधान की ओर से एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित को दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि ग्राम समाज की सुरक्षित भूमि पर कब्जा जमाए कुछ दबंग नाली व क्रॉस निर्माण कार्य में बाधा डाल रहे हैं।

ग्राम प्रधान ने बताया कि उदयभान के घर से रामनंदन के घर तक नाली का निर्माण पहले ही कराया जा चुका है। अब देशराज के घर के आगे क्रॉस बनाकर इस नाली को मुख्य नाले से जोड़ा जाना है, लेकिन देशराज पुत्र रामसागर, पंकज और टेकचंद्र पुत्र मिजाजीलाल ने निर्माण कार्य रुकवा दिया है। प्रधान का आरोप है कि जब उनसे निर्माण कार्य में सहयोग की बात कही गई, तो उन्होंने न सिर्फ गाली-गलौज की बल्कि मारपीट पर उतारू हो गए। आरोपियों द्वारा लगातार धमकियां दी जा रही हैं, जिससे प्रधान व ग्रामीणों में भय का माहौल है।

इसके साथ ही ग्राम समाज की सुरक्षित भूमि पर अवैध कब्जे का भी मामला सामने आया है। प्रधान का कहना है कि यही लोग कब्जे के दम पर नाली और क्रॉस बनने नहीं दे रहे हैं। प्रधान रामेन्द्र कटियार ने एसडीएम से मांग की है कि दबंगों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए, नाली व क्रॉस निर्माण सुचारू रूप से कराया जाए तथा सुरक्षित ग्राम समाज की भूमि की पैमाइश कराकर अतिक्रमण हटवाया जाए। वहीं एसडीएम ने जाँच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

शिवराजपुर में वीडीओ से मारपीट कर अभिलेख छीनने का आरोप

भुगतान को लेकर ठेकेदार से हुआ था विवाद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। शिवराजपुर ब्लॉक मुख्यालय में बीते दिनों ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) के साथ हुई मारपीट की घटना से विभागीय कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। आरोप है कि भुगतान को लेकर विवाद के दौरान एक ठेकेदार और उसके दो साथी दफ्तर में घुस आए और वीडीओ के साथ हाथापाई करते हुए सरकारी फाइलें छीन ले गए। सूत्रों के मुताबिक वीडीओ राजकमल कटियार हाल ही में शिवराजपुर ब्लॉक में तैनात किए गए हैं।

घटना वाले दिन वह क्षेत्रीय कार्य से लौटकर दफ्तर पहुंचे ही थे कि पिपौरी-बिधनू का ठेकेदार आशीष कुमार दो युवकों के साथ वहां आ धमका। बताया जाता है कि ठेकेदार ने पुराने कार्यों का भुगतान तुरंत कराने का दबाव बनाया, जिस पर वीडीओ ने प्रक्रियागत औपचारिकताओं का हवाला दिया।

इस पर ठेकेदार कथित रूप से भड़क गया और अपने साथियों के साथ वीडीओ को धक्का देकर गाली-गलौज करने लगा। हाथापाई के दौरान उनके हाथ में मौजूद कुछ अभिलेख भी छीन लिए गए। शोर मचने पर अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे तो आरोपी भाग निकले।

घटना के बाद वीडीओ ने थाने जाकर पूरी जानकारी दी, जिस पर पुलिस ने एक नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिवराजपुर थाना प्रभारी वरुण शर्मा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया है मामले की जाँच की जा रही है।

सम्पादकीय

विकास की रोशनी दूर करेगी हिंसा का अंधेरा

इसमें दो राय नहीं है कि शीर्ष माओवादी कमांडर हिडमा का मुठभेड़ में मारा जाना वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ देश की दशकों पुरानी लड़ाई में निर्णायक सफलताओं में से एक है। संगठन के शीर्ष नेतृत्व पर प्रहार से देश नक्सली हिंसा से मुक्ति की राह में कामयाबी की तरफ बढ़ा है। लगभग तीन दशकों तक हिडमा बस्तर में चौंकाने वाली रणनीतियों से बड़े हमलों को अंजाम देता रहा है। बताते हैं कि वह सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हुए सबसे घातक हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की सीमा पर सुरक्षा बलों द्वारा हिडमा व उसकी पत्नी समेत छह नक्सलियों को मार गिराना केंद्र सरकार की उस रणनीति की सफलता को दर्शाता है, जिसमें 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य तय किया गया था।

इसी साल मार्च में बीजापुर में जब 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था तब गृहमंत्री अमित शाह ने उनके फैसले का स्वागत करते हुए सभी का पुनर्वास करके, उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने की बात कही थी। निस्संदेह, हिडमा का सफाया नक्सलवादी संचालन ढांचे के खात्मे और भारत में उग्रवाद विरोधी तंत्र की एक महत्वपूर्ण जीत का संकेत है। गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 के कमांडर के रूप में हिडमा का उदय- वंचित युवाओं की भर्ती करने, उन्हें प्रशिक्षित करने और हथियार बनाने की उग्रवादी क्षमता का प्रतीक रहा है। उसकी गिनती सबसे खूंखार नक्सलवादी कमांडर के रूप में होती रही है। अब वर्ष 2010 का दंतेवाड़ा हमला हो या 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले बीस वर्षों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा की रणनीति बतायी जाती है।

वहीं दूसरी ओर इन हमलों ने भारत की सुरक्षा रणनीति को नया रूप दिया। इससे पहले इसी साल मई में सुरक्षाबलों ने माओवादी संगठन के जनरल सक्रेटरी बसवराजू को भी मार गिराया था।

वहीं इस साल विभिन्न मुठभेड़ों में तीन सौ से अधिक नक्सली मारे जाने से नक्सलवाद छोटे इलाके में सिमटा है। निस्संदेह, सुरक्षा बलों की तत्परता और सुनियोजित अभियानों से , लेकिन जरूरत उन परिस्थितियों को दूर करने की है, जिन्होंने नक्सलवाद को जन्म दिया। आवश्यकता उन मुद्दों के समाधान की है, जिसके चलते माओवाद को जड़ें जमाने का मौका मिला। बस्तर का अधिकांश क्षेत्र लगातार विकास की विसंगतियों, खनन से संसाधनों के मनमाने दोहन, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कारण विस्थापन व जनजातीय समुदायों और राज्य के बीच विश्वास की कमी से जूझता रहा है। अभी भी आदिवासियों की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, गुणवत्तापूर्ण स्कूलों, भूमि अभिलेखों और कल्याणकारी योजनाओं तक पूरी तरह पहुंच नहीं बन पायी है।

दूर-दराज के कई गांवों में ग्रामीणों को प्रशासन का अनुभव नागरिक संस्थानों के बजाय सुरक्षा बलों की मौजूदगी से ही होता है।

भले ही माओवाद का प्रभाव कम हो जाए। वास्तव में जब तक शासन जिम्मेदार, जवाबदेह और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील नहीं बन पाता, तब तक माओवादी संस्कृति के पनपने की आशंकाएं बनी रहेंगी।

मतदाता की जागरूकता से ही निरंकुशता पर अंकुश

जयंतीलाल भंडारी

यदि किसी नेता को यह भ्रम होने लगे कि वह सेवक नहीं, मालिक है तो यह एक तरह से जनतंत्र को नकारना ही होगा। ऐसा व्यक्ति बड़ी आसानी से निरंकुश हो सकता है, और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से... यदि किसी नेता को यह भ्रम होने लगे कि वह सेवक नहीं, मालिक है तो यह एक तरह से जनतंत्र को नकारना ही होगा। ऐसा व्यक्ति बड़ी आसानी से निरंकुश हो सकता है, और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं है, स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए।

बिहार का चुनाव भी हो गया। परिणाम कुल मिलाकर अप्रत्याशित तो रहे पर इतने अप्रत्याशित नहीं कि उन पर हैरान ही हुआ जाये। चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह के हालात बनते दिख रहे थे, उनमें कहीं न कहीं यह तो लगने लगा था कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को जीत मिल सकती है पर इतनी बड़ी जीत होगी, ऐसा नहीं लग रहा था। इस बात को यूं भी कहा जा सकता है कि महागठबंधन की इतनी बुरी हार होगी, ऐसा भी नहीं लग रहा था। पर ऐसा हुआ। भारतीय जनता पार्टी की ऐसी जीत और राजद की ऐसी हार अप्रत्याशित तो थी, पर यह भी समझना ज़रूरी है कि यह स्थिति चिंताजनक भी है। सत्तारूढ़ पक्ष या विपक्ष के लिए नहीं, देश में जनतंत्र के भविष्य के लिए यह स्थिति चिंताजनक है।हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था में मजबूत सरकार का होना कतई चिंता की बात नहीं है, पर विपक्ष का इतना कमज़ोर हो जाना निश्चित रूप से चिंता की बात होनी चाहिए। यह पहली बार नहीं है कि किसी विधानसभा में, या फिर संसद में भी, असंतुलित परिणाम आये हैं।इतने असंतुलित परिणाम कहना चाहिए इसे! और यह 'इतने' शब्द यहां चिंता की बात को प्रकट करता है। ऐसी जीत जीतने वाले को अति विश्वास से भर देती है और यह अति विश्वास उसे, कुछ भी कर सकता हूं, का अहसास दिलाने वाला होता है। अच्छा और मज़बूत होने का अहसास ग़लत नहीं है, पर यह मज़बूती यदि घमंड में बदल जाती है तो इसे सही नहीं कहा जा सकता। सही नहीं होने का यह खतरा आज हमारे जनतंत्र पर मंडरा रहा है।

ऐसा नहीं है कि ऐसी स्थितियां पहले कभी नहीं बनीं। राज्यों में भी ऐसा हो चुका है, और केंद्र में भी। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद जब चुनाव हुए थे तो राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को लोकसभा में चार सौ से अधिक सीटें मिली थीं। अति घमंड की स्थिति बन सकती थी। पर तब कांग्रेस को यह अहसास था कि उसे सहानुभूति की लहर का लाभ मिला है। पर अब बिहार में भाजपा की जीत के मामले में ऐसी बात नहीं है। उसके पक्ष में कोई 'सहानुभूति लहर' नहीं थी। भाजपा और 'जदयू' की जीत तथा कांग्रेस और राजद की हार के कारणों पर विचार होगा और भविष्य में भी होता रहेगा। पर इस बात पर विचार होना ज़रूरी है कि इस तरह के अप्रत्याशित परिणाम चिंता का कारण भी होने चाहिए। कोई जीत इतनी बड़ी नहीं होनी चाहिए कि जीतने वाला स्वयं को अपराजेय समझने लगे और कोई भी हार इतनी बुरी नहीं होनी चाहिए कि हारने वाले को यह लगने लगे कि अब कोई उम्मीद नहीं बची।

बहरहाल, बिहार के इन चुनाव- परिणामों पर दो दृष्टियों से विचार होना चाहिए।पहले तो इस दृष्टि से कि क्या जीतने वाला अपनी श्रेष्ठता के कारणों से ही जीता है और दूसरी यह कि हारने वाला कहां चूक गया। भाजपा की जीत पर उंगली उठाने वालों का मानना है कि चुनाव में ऊंच-नीच हुई है। यह सवाल चुनाव आयोग पर भी है। उस पर आरोप लग रहा है कि उसने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों, से भाजपा की जीत में मदद की है। इस तरह के आरोप मतदान से पहले भी लगते रहे थे, अब भी लग रहे हैं। ऐसी ही किसी मदद से इनकार के अलावा और कोई ठोस प्रमाण चुनाव आयोग ने नहीं दिया।

ये पर्यावरणीय न्याय की राह तो नहीं

जलवायु आपदा

क्षमा शर्मा

उत्तर और दक्षिण तथा विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक-दूसरे पर आरोप लगाने का यह उपयुक्त समय नहीं है। हम उन देशों को पर्यावरण न्याय से वंचित नहीं कर सकते हैं, जिनकी जलवायु आपदा लाने में कोई भूमिका नहीं रही है। लेकिन जलवायु आपदा की मार सबसे ज्यादा झेलते हैं।बेलेम, ब्राज़ील में आयोजित कॉप-30 सम्मेलन को जलवायु संकट पर वैश्विक कोष से आर्थिक मदद देने और कॉप-27 के निर्णयों को ईमानदारी से लागू करवाने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन के रूप में प्रचारित किया गया। यदि सच में ऐसा है, तो यह आगे बढ़ सकेगा जब जलवायु न्याय की धारणा प्रबल हो।

यह स्वीकारा जाए कि जिस दर से जलवायु बदलाव के आघात बढ़ रहे हैं, जिस दर से पृथ्वी गर्म हो रही है, अनुकूलन की प्रक्रिया उस हिसाब से पिछड़ती जा रही है। शरम अल शेख में आयोजित कॉप-27 सम्मेलन में खेमों में बंटे देशों में व्यवहार में कटुता देख संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस को तो यहां तक कहना पड़ा था कि उत्तर और दक्षिण तथा विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक-दूसरे पर आरोप लगाने का यह उपयुक्त समय नहीं है। उनका कहना था कि हम उन देशों को पर्यावरण न्याय से वंचित नहीं कर सकते हैं, जिनकी जलवायु आपदा लाने में कोई भूमिका नहीं रही है। उनका आशय सबसे कम विकसित और द्वीपीय देशों से भी था, जिनका जलवायु आपदा उत्पन्न करने में सबसे

कम अंश है, किंतु जो जलवायु आपदा की मार सबसे ज्यादा झेलते हैं। अंततः कॉप के इतिहास में कॉप-27 ऐसा पहला सम्मेलन बन गया था, जिसमें भारी दबावों के बीच धनी देशों ने आर्थिक और सामाजिक संरचनाओं को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए कार्बन प्रदूषण से पीड़ित गरीब देशों को एक मुआवजा कोष की मांग मानी थी। कॉप-27 में जलवायु जोखिम संभावित संकट-उन्मुख देशों ने तो कोष स्वीकृति पर दबाव बनाने के लिए यह धमकी भी दे डाली थी कि जब तक इस पर निर्णय नहीं होगा, वे वापस नहीं जाएंगे। आज वैज्ञानिक सुझा रहे हैं कि तेल भंडारों में बचे तेल को भी वहीं रहने दीजिए। परंतु हो उलटा रहा है। आसमान में जो ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन जमा है, उसका 90 प्रतिशत पश्चिमी देशों और जापान का है। तेल ही नहीं, कोयले को भी तेजी से ज्यादा मात्रा में बाहर निकाला जा रहा है। देश अपनी बढ़ी जरूरतों के लिए अपने कोयले के आयातों को बढ़ा रहे हैं। हालात ये हैं कि कोयले तक की मांग बढ़ रही है। भारत भी उनमें से एक है। ऐसे में अब एक्टिविस्ट उन बंदरगाहों और यार्डों पर प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां से निर्यात का कोयला भेजा जा रहा है। भारत समेत विश्व के कई देशों ने शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के प्रयास भी जारी रखे हैं। किंतु साफ ऊर्जा का उत्पादन इतना नहीं हो रहा है कि वह विभिन्न देशों और विभिन्न क्षेत्रों की सारी जरूरतों को पूरी तरह किफायती तौर पर पूरा कर सके। जितना साफ ऊर्जा का उत्पादन बढ़ता है, तब तक उससे ज्यादा ही विभिन्न कार्यों और क्षेत्रों के लिए ऊर्जा की जरूरतें भी बढ़ जाती हैं।

इनके अंतर्गत प्रतिष्ठानों, उद्यमों या सेवा क्षेत्र के प्रदाताओं को विभिन्न गतिविधियों के संचालन को जारी रखने के लिए या तो साफ ऊर्जा स्रोतों का विकल्प चुनना है, अथवा टेक्नोलॉजी और गतिविधिक पद्धतियों से उत्पादनों को शून्य कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन से बनाना है। अक्तूबर, 2023 में विश्व की 130 प्रमुख कंपनियों ने, जिनमें महेन्द्रा ग्रुप, नेशनल वोल्वो कार जैसी कंपनियां शामिल हैं, जिनका वैश्विक वार्षिक राजस्व करीब एक खरब अमेरिकी डॉलर था, वैश्विक नेताओं से कहा है कि अगले समिट में वे फॉसिल फ्यूल फेज-आउट के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करें।

ओवर लोडिंग में 10 डंपर सीज, 50 के चालान

» सजेती क्षेत्र के अनूपुर मोड़ पर चला संयुक्त प्रवर्तन अभियान

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। जिलाधिकारी के निर्देश पर देर रात घाटमपुर तहसील प्रशासन, पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने थाना सजेती क्षेत्र के अनूपुर मोड़ पर बड़े पैमाने पर प्रवर्तन अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व उपजिलाधिकारी घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह, एसीपी घाटमपुर कृष्णाकांत और परिवहन विभाग से एआरटीओ प्रवर्तन कहकशा ने किया। तीन थानों की पुलिस फोर्स और परिवहन विभाग की टीम इस कार्रवाई में शामिल रही।

अभियान के दौरान 10 भारी वाहनों/डंपरों को सीज किया गया, जबकि 50 डंपरों का चालान काटा गया। टीम ने बिना नंबर प्लेट, नंबर प्लेट छिपाकर चलाने, ओवरलोडिंग, टैक्स बकाया, बिना तिरपाल खनिज परिवहन और प्रदूषण प्रमाणपत्र न प्रस्तुत करने जैसे मामलों में कार्रवाई की।अधिकारियों के अनुसार, बिना नंबर प्लेट या धुंधले नंबर प्लेट वाले वाहन दुर्घटनाओं के बाद पहचान से बच निकलते थे, जिससे हिट एंड रन जैसे मामलों में इजाफा हो रहा था। वहीं, ओवरलोडिंग से सड़कों की क्षति और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा था। इस अभियान से ऐसे वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण की उम्मीद जताई गई है।उपजिलाधिकारी अबिचल प्रताप सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा और अनुशासित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन, पुलिस और परिवहन विभाग मिलकर अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे सड़क पर अनुशासन बढ़ेगा और दुर्घटनाओं में कमी आएगी।एआरटीओ प्रवर्तन कहकशा ने बताया कि अनियमित वाहनों पर रोक लगाकर सुरक्षित और सुगम यातायात उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने वाहन चालकों से परिवहन नियमों का पालन करने और सुरक्षित ड्राइविंग की अपील की।

परिवार गया था अस्पताल, चोर उड़ा ले गए ढाई लाख का माल

» परिवार वाले जब लौटे तो टूटी मिली अलमारी और अस्त-व्यस्त कमरे

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

चोरो ने अलमारी तोड़ दी

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र स्थित कर्मचारी नगर में देर रात चोरों ने सूने घर को निशाना बनाते हुए पांच हजार रुपये नकद और लगभग ढाई लाख के जेवरात चोरी कर लिए। चोरी उस समय हुई, जब पूरा परिवार गर्भवती महिला को लेकर कांशीराम अस्पताल गया हुआ था।

पीड़ित पीयूष शुक्ला ने बताया कि उनकी गर्भवती साली की अचानक तबीयत बिगडऩे पर वह उसे लेकर अस्पताल पहुंचे थे, जहां स्टाफ ने घर से महिलाओं को भी बुलाने की बात कही। इस पर वह तुरंत घर लौटे और पत्नी समेत परिवार की अन्य महिलाओं को लेकर दोबारा अस्पताल चले गए। जब देर रात वह वापस घर लौटे, तो मुख्य गेट और अंदर के कमरों के ताले टूटे मिले। अलमारी का लॉक तोड़ा गया था और पूरा सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि अलमारी में रखे 5,000 नकद और करीब ढाई लाख के सोने-चांदी के जेवरात गायब थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की छानबीन की और आसपास पूछताछ की। इसके बाद पीड़ित ने कृष्णा नगर पुलिस चौकी में चोरी की तहरीर दी। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

घात लगाकर बैठे बदमाशों ने युवक पर किया कातिलाना हमला

» चौबेपुर पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप, पीड़ित ने थाने में दिया प्रार्थना पत्र

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। चौबेपुर थाना क्षेत्र में दबंगई का एक और मामला सामने आया है। रायपुर निवासी ललित तिवारी, जो मोबाइल की दुकान चलाते हैं, सोमवार शाम दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। लेकिन रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे कल्लू तिवारी ने मामूली विवाद को लेकर उन पर अचानक हमला कर दिया। ललित तिवारी के अनुसार आरोपित कल्लू तिवारी के हाथ में लोहे की रॉड थी। उसने उसी रॉड से वार कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उनके सिर पर गहरी चोट आ गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।चौबेपुर पुलिस ने घायल को सीएससी में भर्ती कराया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। पीड़ित ललित तिवारी का आरोप है कि उन्होंने चौबेपुर थाने में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन पुलिस की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय लोग भी आरोपी पर त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

भैरोघाट पंपिंग स्टेशन के पानी में बढ़ा नाइट्राइट, सीवेज की पुष्टि

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में सीवेज के बहाव के कारण गंगा जल में नाइट्राइट की मात्रा बढ़ गई है, जिससे पानी शोधित करने का खर्च बढ़ गया है। इसके बाद जलकल विभाग ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अशुद्धियां कम करने का आग्रह किया है।

कानपुर में लगातार नाले गिरने और इनके माध्यम से सीवेज जाने की वजह से गंगा जल में नाइट्राइट की मात्रा बढ़ गई है। जलकल विभाग की जांच में इसका खुलासा हुआ है। शहर में आपूर्ति करने से पहले इस पानी को शोधित करने का खर्च भी बढ़ गया है। गंगा जल में अशुद्धियां कम करने के लिए जलकल विभाग ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से आग्रह किया है।

मानक के अनुसार गंगा जल में नाइट्राइट नहीं होना चाहिए। जानकारों के अनुसार गंगा नदी के जल में नाइट्राइट मिलने यह पुष्टि होती होती है कि इसमें सीवेज जा रहा है। जलकल विभाग की तीन नवंबर, 30 अक्तूबर की रिपोर्ट में भैरोघाट पंपिंग स्टेशन से लिए गए पानी में 0.03 प्रतिशत नाइट्राइट होने की पुष्टि हुई है। यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है।

बढ़ गया है क्लोरीन का खर्च

जलकल विभाग इस पंपिंग स्टेशन के माध्यम से रोज 200 एमएलडी (20 करोड़ लीटर) कच्चा पानी खींचकर बेनाझाबर वाटर वर्क्स लाता है और वहां इसे शोधित कर शहर में आपूर्ति की जाती है। विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि नाइट्राइट की मात्रा बढ़ने की वजह से इसे शोधित करने का क्लोरीन का खर्च भी बढ़ गया है।

दो महीने से रोज गंगा में जा रहा 5.30 करोड़ लीटर गंदा पानी

» नहीं हो रहा बॉयोरेमेडिएशन,अब आई टेंडर की सुध

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी अजीत सुमन ने बताया कि 11 नालों का गंदा पानी सीधे गंगा और पांडु नदी में बहाने के मामले में नगर निगम को बीते सप्ताह नोटिस दिया था। जवाब में नगर निगम ने बताया है कि इन नालों के पानी को बॉयोरेमेडिएशन विधि से शोधित करने के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है।

कानपुर नगर निगम की लापरवाही के कारण दो महीने से गंगा में रोज 5.30 करोड़ लीटर गंदा पानी जा रहा है। इसकी वजह गंगा के साथ पांडु नदी में गिर रहे नालों के पानी का शोधित न होना है। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि लापरवाह अफसरों ने बरसात का मौसम खत्म होते समय नालों के पानी को बॉयोरेमेडिएशन तकनीक से शोधित करने के लिए टेंडर ही नहीं कराए। ऐसे में बगैर शोधित पानी गंगा को मैली कर रहा है। गंगा को गंदा करने के लिए एनजीटी नगर निगम पर पांच लाख रुपये प्रति नाला प्रति माह की दर से जुर्माना लगा सकता है।

गंगा को गंदा होने से बचाने के लिए बरसात का मौसम खत्म होते ही इस नदी और पांडु नदी में गिर रहे 11 नालों के पानी को बॉयोरेमेडिएशन विधि से शोधित कराने के निर्देश है। पूर्व में ऐसा होता रहा है पर इस बार नगर निगम इस कार्य के लिए बरसात खत्म होते समय टेंडर कराना ही भूल गया। अमर उजाला की पड़ताल में पता चला कि गंगा और पांडु नदी में गिर रहे रामेश्वर (परमिया) नाला, रानी घाट, डबका, गंदा नाला सहित 11 नालों से सीधे गंदा पानी गंगा में जा रहा है।

इन नालों में हर साल की तरह नदी के मुहाने पर बॉयोरेमेडिएशन तकनीक से पानी शोधित करने के लिए न तो गड्ढा बना था और न ही टंकी आदि लगी थी। हालत यह है कि बंगाली घाट, जाजमऊ में गंगा के पानी में किनारे की तरफ पानी काला-कत्थई नजर आया। उसमें कीड़े भी दिखे। इतना ही नहीं रानी घाट के बगल में स्थित सरजूपुरवा बस्ती से जाजमऊ में गंगा किनारे अवैध रूप से बसी बस्तियों का सीवेज भी सीधे गंगा में बहाया जा रहा है, लेकिन अधिकारी इस संबंध में चुप्पी साधे हैं।

नगर निगम में पड़ताल करने पर पता चला कि टेंडर कराने की जिम्मेदारी नगर निगम के अधिशासी अभियंता (पर्यावरण) की होती है। 15 दिन पहले तक यह कार्य सहायक अभियंता दिवाकर भास्कर देखते थे। वह जोन-दो के प्रभारी अभियंता के साथ ही अधिशासी अभियंता प्रोजेक्ट, पीआरओ आदि पदों की जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं। नए नगर आयुक्त ने पर्यावरण अभियंता की जिम्मेदारी जोन-4 की सहायक अभियंता मीनाक्षी अग्रवाल को सौंपी है।उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी अजीत सुमन ने बताया कि 11 नालों का गंदा पानी सीधे गंगा और पांडु नदी में बहाने के मामले में नगर निगम को बीते सप्ताह नोटिस दिया था। जवाब में नगर निगम ने बताया है कि इन नालों के पानी को बॉयोरेमेडिएशन विधि से शोधित करने के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है।

सहालग पर बढ़ा चांदी का कारोबार
छोटे उत्पादों की 30 फीसदी बिक्री बढ़ी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सहलग चढ़ते ही शहर का सराफा बाजार भी तेज हो गया है। चांदी व सोने के ऐसे छोटे उत्पाद जो उपहार में दिए जा सके उनकी बिक्री सबसे अधिक हो रही है। कारोबारियों का मानना है कि सहालग तेज होने के चलते औसत से लगभग 30 फीसदी अधिक छोटे उत्पादों का बाजार चढ़ा है। सोने व चांदी के दामों में बढोत्तरी होने के बाद शहर के बाजार में सन्नाटा पसरा रहा था।

हालात यह थे कि निवेशक सिर्फ बुलियन पर ही निवेश कर रहे थे। आम खरीदार बाजार से दूर हो चुके थे। सहालग पर बाजार की स्थिति थोड़ी सुधरी है। कारोबारियों का कहना है कि शादी विवाह में उपहार देने के लिए सबसे अधिक चांदी के उत्पादों की बाजार में बिक्री हो रही है। इनमें पायल की मांग सबसे अधिक है। इसके बाद कमरबंद, बिछिया सहित अन्य उत्पादों की खरीदारी हो रही है।इसी तरह सोने के आभूषणों की बात की जाए तो बाजार में इस वक्त अंगूठी सबसे अधिक बिक रही है। कारोबारियों का मानना है कि खासतौर पर विवाह समारोह में शामिल होने वाले नजदीकी रिश्तेदार इन उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं। बाजार के हाल पर कानपुर महानगर बुलियन एंड सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष पं. आशू शर्मा ने बताया कि सहालग तेज होते ही अचानक उत्पादों की खरीदारी में तेजी आ गई है।

सहालग कम होने के बाद बाजार में उत्पादों की खरीदारी में थोड़ा विराम लग सकता है। सोमवार को बाजार में चांदी का भाव 1,59,000 प्रति किलो रहा। इसी तरह सोने का भाव 1,26,800 प्रति दस ग्रमा के आस-पास रहा।

कारीगरों की हुई वापसी

चौक बाजार में चांदी के आभूषणों की कम खरीदारी से सबसे अधिक नुकसान कारीगरों को उठाना पड़ रहा था। खासतौर पर ऐसे कारीगर जो रोजाना की या फिर कुल काम की कीमत पर बाजार में काम करते थे उनके पास काम तक न होने की नौबत आ गई थी। चांदी के आभूषणों की दोबारा बिक्री तेज होने के बाद इन कारीगरों ने दोबारा बाजार के कारखानों का रुख कर लिया है।

पुरानी डिजाइन की मांग

बाजार में सोने व चांदी के आभूषणों में सबसे अधिक मांग पुरानी या पारंपरिक डिजाइन की हो रही है। सोने में अगूडी में सबसे अधिक प्लेन डिजाइन की मांग खरीदारों की ओर से की जा रही है।

डीएम ने किया प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल

एसआईआर पर निगरानी रखने के अफसरों को दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में संचालित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रभावी एवं पारदर्शी निगरानी करने के लिए जिलाधिकारी कपिल सिंह ने प्रशासनिक स्तर पर व्यापक फेरबदल किया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, ऐसे में इससे संबंधित सभी दायित्वों का निर्वहन त्वरित, संवेदनशील एवं परिणाम आधारित हो।

इसी क्रम में जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार के स्थान पर प्रभारी अधिकारी खनन का दायित्व अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार मौर्य को सौंपा है। साथ ही प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय एवं परियोजना निदेशक डूडा का कार्य अपर जिलाधिकारी न्यायिक दिग्विजय सिंह को सौंपा गया है। जिलाधिकारी ने अपेक्षा व्यक्त की कि नवीन दायित्वों के साथ दोनों अधिकारी निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करते हुए पुनरीक्षण कार्यक्रम में गुणवत्तापूर्ण प्रगति सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रत्येक चरण की सतत समीक्षा करें तथा आवश्यकतानुसार मैदानी स्तर पर निरीक्षण कर वास्तविक प्रगति का आकलन करते रहें। जिलाधिकारी द्वारा किए गए इस निर्णय को प्रशासनिक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अस्पताल में बिलखते परिजन

रसूलाबाद में सड़क हादसे में वृद्ध समेत दो की गई जान

» दो लोगों की हालत चिंताजनक, हैलट किया गया रेफर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के मालकापुरवा गांव के सामने बम्बी के निकट सडक़ हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच पड़ताल शुरू की।

जनपद कन्नौज के इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत सपा गांव निवासी विश्व प्रताप पुत्र बृजराज अपनी मौसी फूलन देवी पत्नी सर्वेश व भाई सुशील 18 पुत्र ब्रजराज के साथ विवाह के लिए चौबेपुर से लडक़ी देखकर वापस अपने घर बाइक से आ रहे थे तभी मालकापुरवा बम्बी के निकट सडक़ पार कर रहे वृद्ध रामनारायण मिश्र 64 पुत्र राम बिहारी से टक्कर हो गई। जिससे बाइक सवार सडक़ पर जा गिरा जहां घटना स्थल पर ही सुशील की मौत हो गई। जबकि घायल अवस्था में पड़े वृद्ध रामनरायण को भी कानपुर की ओर से आ रही अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। जिससे वृद्ध की भी घटनास्थल पर ही मौत हो गई दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसूलाबाद लाया गया। जहां डॉ. बृजेश कुमार ने दोनों को ही मृत घोषित कर दिया। जबकि विश्व प्रताप व फूलन देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। जिन्हें प्राथमिक उपचार करने के बाद हैलट कानपुर रेफर किया गया।

नैतिक पार्टी ने एसपी से मिलकर किया सम्मान

कहा गया नारी नेतृत्व की प्रखर कमान में अपराधी पस्त

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। नैतिक पार्टी के जिलाध्यक्ष शशिकांत शुक्ला ने पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नारायण पांडे से भेंट करते हुए उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। उन्होंने जनपद में कानून-व्यवस्था की प्रशंसा की ।

कहा कि एसपी की कर्तव्यनिष्ठता, दृढ़ इच्छाशक्ति और सतत निगरानी-व्यवस्था के चलते व्यापारी वर्ग पूर्ण निर्भीकता अपने व्यवसाय का संचालन कर रहा है। अपराधी तत्वों में स्पष्ट आतंकभाव, शास्त्रीय भय और मानसिक संकोच व्याप्त है।

उन्होंने यह भी कहा कि जनपद में मिशन शक्ति का क्रियान्वयन हुआ है। यह नारी-सशक्ति की प्रशासनिक प्रतिष्ठा एवं सामाजिक अनुशासनका एक उदाहरण है। कानपुर देहात की कमान जबसे नारी नेतृत्व के हाथों में आई है,

अपराध पर अंकुश की स्थिति मजबूत हो गई है।

गुणवत्ता का गला घोंटकर बनी सड़क सात दिन में उखड़ी

» सड़क निर्माण की यह दशा देख अधिकारी भी हो गए हैरान, जवाब भी नहीं दे पा रहे

सड़क निर्माण में खुलेआम भ्रष्टाचार, ग्रामीणों की शिकायत पर दोबारा काम के आदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। पहाड़पुर से इटैलिया को जोड़ने वाली दो किलोमीटर लंबी संपर्क मार्ग ने घटिया निर्माण सामग्री और लापरवाह कार्यप्रणाली की पोल खोल दी है। लगभग पंद्रह वर्ष पूर्व निर्मित यह सडक़ जर्जर होकर इतनी बदहाल हो चुकी थी कि ग्रामीणों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया था। लगातार फरियादों के बाद मंडी समिति ने करीब 25 लाख रुपये की लागत से एक माह पूर्व मरम्मत कार्य शुरू कराया, लेकिन नई बनी सडक़ भी सिर्फ एक सप्ताह में ही उखडऩे लगी।

मरम्मत के दौरान एक किलोमीटर हिस्से पर डामरीकरण कराया गया, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार निर्माण में जीरे की जगह मोटी गिट्टी का उपयोग किया गया और डामर की मात्रा भी बेहद कम थी।

नतीजतन, जैसे ही वाहनों की आवाजाही शुरू हुई, सडक़ से गिट्टी डामर से अलग होकर बिखरने लगी, और पैर की ठोकर से भी डामर उखडऩे लगा।

नई सड़क का यह हाल हो गया

ग्रामीणों की नाराजगी, अधिकारियों में हडक़ंप

ग्रामीण आदित्य सिंह चंदेल, मोनू सिंह राजावत, देव सिंह सहित कई लोगों ने बताया कि निर्माण में कम गुणवत्ता वाली सामग्री के प्रयोग से सडक़ का सतह टिक ही नहीं पाया। लोगों का कहना है कि सडक़ को ठीक कराने की मुहीम वर्षों से चल रही थी,

अकुशल श्रमिकों द्वारा जीरे की जगह गिट्टी डालने से समस्या उत्पन्न हुई है। अब जो हिस्सा उखड़ चुका है, उसे पूर्ण रूप से दुबारा बनाया जाएगा।

हरेंद्र सिंह
अवर अभियंता मंडी समिति

और अब मरम्मत कार्य भी खानापूरी साबित हो रहा है। सडक़ निर्माण कार्य में हुई घोर अनियमितता ने एक बार फिर सरकारी निर्माण कार्यों की निगरानी और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब मरम्मत में ही लाखों रुपये खर्च हो रहे हैं, तो काम की गुणवत्ता पर समझौता बिल्कुल अस्वीकार्य है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

शादी में सिरफिरे आशिक ने दुल्हन पर चलाई गोली

मंगलपुर पुलिस ने मौके पर ही दबोचा आरोपी, अवैध तमंचा-कारतूस बरामद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र के कंचौसी में आयोजित एक शादी समारोह मंगलवार की शाम डर और दहशत में बदल गया, जब एक सिरफिरा आशिक गेस्ट हाउस में घुस आया और दुल्हन पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी और बड़ा हादसा टल गया। मौके की नाजुक स्थिति को भांपते हुए पुलिस ने तुरंत पहुंचकर आरोपी को वहीं से गिरफ्तार कर लिया।

घटना कंचौसी स्थित रामकृष्ण गंगाधाम गेस्ट हाउस की है, जहां वादी कालीचरन अपनी पुत्री का विवाह करा रहे थे। शाम लगभग 6:30 बजे शादी की रस्में चल रही थीं। तभी कासगंज निवासी अरवेश उर्फ अंकित अचानक समारोह में घुस आया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी आते ही गाली-गलौज करने लगा और हंगामा मचाते हुए सीधे दुल्हन की ओर बढ़ गया। कुछ ही पलों में उसने जेब से तमंचा निकाला और दुल्हन पर निशाना साधकर फायर कर दिया। गोली हवा में चली और दुल्हन बाल-बाल बच गई।गोली चलने की आवाज से शादी में अफरा-तफरी मच गई। मौजूद लोगों ने आरोपी को पकडने की कोशिश की, लेकिन वह भागने लगा।

इसी बीच सूचना पाकर मंगलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को तुरंत दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के पास मिले अवैध तमंचे और कारतूस को कब्जे में ले लिया है।परिजनों का कहना है कि आरोपी दुल्हन के पीछे काफी समय से पड़ा था और शादी की जानकारी मिलने के बाद उसने गुस्से में यह कदम उठाया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में यह स्पष्ट किया जाएगा कि आरोपी कितने समय से दुल्हन के संपर्क में था और उसने फायरिंग की योजना पहले से बनाई थी या नहीं। शादी की खुशियों में अचानक हुई इस वारदात ने पूरे इलाके में सनसनी फैला गई।

गबन के मामले में छह सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी

» ग्राम पंचायत में हुई करीब नौ लाख की वित्तीय अनियमितता

» धनीरामपुर ग्राम पंचायत का मामला डीपीआरओ ने दी नोटिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत धनीरामपुर ग्राम प्रधान ने मजदूरों व अन्य दो मदों का भुगतान अपने खाते में करा लिया था। मामले में गांव के एक युवक ने शिकायत भी की थी। अब जांच के बाद छह सचिवों को डीपीआरओ ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के लिए आने वाले धनराशि का फर्जीवाड़ा जिले में नहीं रुक पा रहा है। अफसर लगातार कार्यवाही भी कर रहे हैं ,लेकिन ग्राम पंचायत में तैनात पंचायत सचिवों की मनमानी से जिले का नाम भी खराब हो रहा है। सख्त कार्रवाई न होने से फर्जीवाड़ा करने वाले प्रधान और सचिवों के हौसले बुलंद है।

अकबरपुर विकास खंड की ग्राम पंचायत धनीरामपुर की वर्तमान प्रधान सरवती देवी ने मजदूरी और अन्य मदों का पैसा अपने पति कप्तान और अपने स्वयं के खाते में भुगतान करा लिया था। गांव के निवासी एक युवक ने डीएम कपिल सिंह के यहां गांव में हुए भ्रष्टाचार की लिखित शिकायत की थी। इसमें लिखित शिकायत में बताया था कि ग्राम पंचायत में कराए गए विकास कार्यों के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा किया गया।

इसमें मिट्टी भराव कार्य, पंचायत घर की चहारदीवारी निर्माण, पंचायत भवन का रंग-रोगन, नलों की री-बोरिंग आदि शामिल है।

इनमें मजदूरों की मजदूरी और अन्य मदों का करीब आठ लाख पच्चासी हजार रूपये प्रधान पति कप्तान सिंह के खाते में और प्रधान सरवती ने अपने स्वयं के खाते में तीस हजार पांच सौ सत्तर रुपए का भुगतान करा लिया है। जिले में लगातार बड़े बड़े घोटाले उजागर हो रहे हैं। लेकिन जिले में फिर भी भ्रष्टाचार थामने का नाम भी नहीं ले रहा है।

डीएम ने कराई जांच

कानपुर देहात के डीएम कपिल सिंह ने जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी और लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता को जांच सौंपी थी। डीएम ने एक माह में जांच रिपोर्ट भी मांगी थी। जांच रिपोर्ट आने के बाद अब डीपीआरओ विकाश पटेल ने ग्राम पंचायत में तैनात रहे छह ग्राम पंचायत सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डीपीआरओ विकास पटेल ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर पंचायत में तैनात रहे सचिवों को नोटिस जारी की गई है।

बुझ गया घर का एकलौता चिराग, अरौल हादसे में एक साथ उठी दो घरों में चिताए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अरौल हादसे में अपनों के मौत की खबर पर बुधवार को तीनों के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे तो कोहराम मच गया। तीन बहनों में एकलौता शशि जिसकी शादी की तैयारी में परिजन रिश्ते की तलाश में थे, उसे कफन में देखकर चीख पड़े। वहीं शौकी चौधरी ने चार वर्षीय एकलौते पोते अनुराग का शव देखा तो खुद को संभाल नहीं सके। परिजनों ने सहारा दिया। बोले, मेरे बेटे का सबकुछ उजड़ गया। उसका एकलौता बेटा चला गया, पत्नी का एक पैर नहीं रहा। आईसीयू में वह अपने बेटे को देखने के लिए तड़प रही है।

शव देखकर परिजनों में कोहराम

कैसे बताए उसे उसका लाडला नहीं रहा। सिसकारियों के बीच परिजन पोस्टमार्टम से शव लेकर बिहार रवाना हुए। वहीं अनुराग का शव नजीराबाद में ही दफनाया गया। बिल्हौर के अरौल स्थित लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर सोमवार रात हुए हादसे में बालक समेत तीन जाने गई थी। खबर पाकर उनके परिजन मंगलवार देर रात तक शहर आए। बुधवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचने पर चीख-पुकार मच गई।

हादसे में 25 वर्षीय नसीम, 26 वर्षीय शशि और चार वर्षीय बालक अनुराम की जान गई। शशि के चचेरे भाई अंकुर गिरी ने बताया कि वह तीन बहनों में एकलौता भाई था। पिता धर्मेंद्र की कई साल पहले मौत हो चुकी है। मां उषा देवी बहनों के साथ गांव में रहती हैं। शशि गुवाहाटी में एक पेपर मिल में सुपरवाइजर था। बहनों की शादी के साथ परिवार की जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी। अंकुर के अनुसार वह नौकरी के लिए साऊदी जाना चाहता था।

इसलिए मेडिकल के लिए 10 दिन पहले गुवाहाटी से निकला था। मेडिकल के बाद बिहार के मीरपुर शिवान घर होते हुए काम पर जाना चाहता था, इसलिए बस से आ रहा था। वहीं पोते अनुराग शव देखकर बाबा शौकी चौधरी खुद को संभाल नहीं सके। फफक पड़े। आंखों से आंसू छलकते रहे। परिजनों ने ढांढस बधाने का प्रयास किया, मगर उनकी चीखों ने सभी को रुला दिया। बोले कि मेरा तो घर उजड़ गया। बहू भी जिंदगी से लड़ रही है। बेटे अजय का एकलौता चिराग चला गया। जो गोद में खेल कर बड़ा हुआ, आज उसकी अर्थी गोद में उठानी पड़ रही है। बहू गुड्डी को कैसे बताए उसका बेटा अब उसके साथ नहीं खेलेगा।

शौकी के बड़े बेटे संजय ने पिता को संभाला, लेकिन कुछ ही देर में खुद भी पिता से लिपट कर रोने लगे। कहा, गुड्डी बेटे को पूछ रही है, उसे अभी तक बताया नहीं गया है। कैसे बताए कि अनुराग का नजीराबाद कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार कर दिया है। वहीं हादसे में जान गवाने वाले पूर्वी चंपारण के डुमरिया घाट दंगलपुर गांव निवासी बीटेक इलेक्ट्रीकल के प्रथम वर्ष के छात्र नसीम के परिजन शव देखकर बिलख पड़े।

नसीम के पिता सोहेल अहमद साऊदी में होने के कारण नहीं आ सके। बड़ा भाई वसीम, मामा असजद अली, फूफा जाने आलम पोस्टमार्टम पहुंचे। होनहार भाई का शव देखकर वसीम बेसुध हो गया। बताया कि उसके कॉलेज में छुट्टियां शुरू थीं और उसके दोस्त की बहन की शादी थी, इसलिए घर आ रहा था। आने से पहले उससे फोन पर बात हुई थी। बताया था कि शादी के लिए नई जैकेट ली है। क्या पता था जैकेट पहन नहीं सकेगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में तीनों की मौत अधिक खून बहने के कारण होने की पुष्टि हुई है।

अजय ने कहा होटल में शराब परोसी जाती है

चार वर्षीय अनुराग के पिता अजय ने बताया कि आगरा तक बस बहुत बढ़ियां आई थी। आगरा के बाद एक होटल पर नाश्ता करके जब बस चली तो दूसरा चालक स्टेयरिंग पर था। वह ठीक नहीं था। अजय के अनुसार वह नशे में था। अजय ने हाईवे के होटलों व ढाबों पर सवाल उठाया, जहां बसें रुकती हैं। उसने कहा कि सवारी बसें रोकने पर होटलों व ढाबों में चालक का स्वागत शराब, गांजा, बीड़ी व सिगरेट से होता है। जब बस ढाबे पर रुकी वहां भी शराब पी गई थी। जिससे यह हादसा हुआ।

आज शादी में पहुंचना था और बेटे की अर्थी उठी

अजय ने बताया कि उसकी मां की तबियत ठीक नहीं है, इसलिए सोचा था कि दिल्ली लाकर इलाज कराएंगे। 19 नवंबर को मामा लखींदर चौधरी के बेटे की शादी भी थी। इसलिए पूरे परिवार के साथ गांव के लिए निकले थे। सोचा था शादी के बाद मां को लेकर लौट आएंगे। लेकिन किस्मत की मार देखिए, गांव ही नहीं पहुंच पाए।

सुल्तानपुर: वारंटी ने घरवालों संग मिलकर दरोगाओं को पीटा

सर्विस रिवॉल्वर छीनकर फरार; चार थानों की पुलिस तलाश में जुटी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर में वारंटी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर वारंटी और घरवालों ने हमला कर दिया। उन्हें ना सिर्फ जमकर पीटा एसआई की सर्विस रिवाल्वर छीनकर फरार हो गए। चार थानों की पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। यूपी के सुल्तानपुर में बृहस्पतिवार को वारंटी को पकड़ने गए एसआई और उसके साथी पर आरोपी और उसके घरवालों ने हमला कर दिया। दोनों लोगों को जमकर पीटा। इससे वह घायल हो गए। इसके बाद एसआई की सर्विस रिवाल्वर छीनकर आरोपी भाग निकले। पुलिस टीमें उनकी तलाश में जुटी हैं।

घटना हलियापुर थाना क्षेत्र के लाला का पुरवा डोभियारा गांव की है। यहां सुबह अयोध्या के कुमारगंज थाने के उप निरीक्षक अकील और भानु प्रताप जानलेवा हमले के प्रयास से जुड़े मामले में वारंटी दशरथ सिंह को पकड़ने पहुंचे थे।

दोनों लोग सिविल ड्रेस में थे। इस बीच आरोपी और उसके परिवारवालों ने उप निरीक्षक अकील व भानु प्रताप पर हमला बोल दिया। आरोपियों ने दोनों उप निरीक्षकों को जमकर पीटा। इससे वह घायल हो गए। यही नहीं एसआई अकील की सर्विस रिवाल्वर छीनकर भाग निकले। सूचना पर चार थानों की पुलिस टीम पहुंची। टीम ने हमलावरों की काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला।

चार थानों की पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

हलियापुर थानाध्यक्ष तरुण पटेल ने बताया कि हमलावरों की तलाश की जा रही है। एसआई अकील और भानु प्रताप ने पांच नामजद व कुछ अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। केस दर्ज किया जा रहा है। दो महिलाओं को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। कुमारगंज, इनायतनगर, हलियापुर व बल्दीराय थाने की पुलिस हमलावरों की तलाश कर रही है।

डीजी सीआईडी ने मुख्यमंत्री योगी से की शिष्टाचार भेंट

» यूपी में साइबर अपराध रोकथाम पर हुई विस्तृत चर्चा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से यूपी पुलिस के जनलोकप्रिय पुलिस महानिदेशक (सीआईडी एवं साइबर क्राइम) बिनोद कुमार सिंह ने 5, कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर शिष्टाचार भेंट की।,

डीजी ने बुके भेंट कर मुख्यमंत्री से मुलाकात की, जिसके बाद दोनों के बीच प्रदेश में बढ़ते साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साइबर क्राइम एवं सीआईडी की वर्तमान गतिविधियों और अभियान की जानकारी ली।

बैठक में साइबर ठगी पर अंकुश लगाने, आम नागरिकों को जागरूक करने और तकनीकी क्षमताओं को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।

इस सौहार्दपूर्ण मुलाकात को प्रदेश की कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। स्वराज इंडिया अखबार के सूत्रों के अनुसार, यह भेंट प्रदेश में साइबर सुरक्षा को लेकर बड़े स्तर पर उठाए जा रहे कदमों की निरंतरता का हिस्सा है।

सरयू के जल से होगी ध्वजारोहण महोत्सव के पूजन की शुरुआत

» 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे ध्वजारोहण
» 5 दिवसीय वैदिक अनुष्ठानों से गूंजेगी रामनगरी अयोध्या

पंचदिवसीय कार्यक्रम : एक नजर में

20 नवंबर – सरयू से जल लेकर मातृशक्तियों का मंदिर की ओर प्रस्थान; कलश यात्रा का आयोजन
21 नवंबर – यज्ञशाला में प्रमुख अनुष्ठान का प्रारंभ
22-23 नवंबर – यज्ञशाला में अनुष्ठान, मंडल स्थापना, हवन और पूजन
24 नवंबर – सायंकाल प्रमुख अनुष्ठान की पूर्णाहुति
25 नवंबर – सुबह हवन-पूजन और ध्वज पूजन

शुभ मुहूर्त 11: 58 बजे से

निर्धारित शुभ मुहूर्त 11:58 बजे से 12:30 बजे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीराम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे। रामनगरी का वातावरण इन दिनों वैदिक ध्वनियों, भक्ति और उत्साह से परिपूर्ण है। मंदिर परिसर, परिक्रमा पथ और सरयू तट पर विशेष सजावट की जा रही है। श्रद्धालुओं के लिए यह अवसर प्रभु श्रीराम की दिव्यता का नई भव्यता के साथ साक्षात्कार कराएगा।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या के पावन श्रीराम मंदिर में धर्म-ध्वजा के ऐतिहासिक लोकार्पण की तैयारियाँ पूर्ण भव्यता के साथ आरंभ हो चुकी हैं। आज 20 नवंबर से ध्वजारोहण का पंचदिवसीय कार्यक्रम आरंभ हो जाएगा। इसके लिए दोपहर में मंदिर परिसर के समक्ष से 501 कलशों की कलश यात्रा निकाली जाएगी। इस दिव्य यात्रा में 251 मातृशक्तियाँ, गुरुकुल के वैदिक छात्र, धर्माचार्य और साधु-संत सम्मिलित होंगे।

कलश यात्रा अपराह्न 2 बजे प्रारंभ होकर भव्य शोभा के साथ सरयू तट पहुंचेगी। यहाँ वैदिक मंत्रोच्चार और पूजन के उपरांत सरयू का पवित्र जल श्रीराम मंदिर लाया जाएगा। यात्रा के राम मंदिर पहुंचने पर जल को वेदाचार्यों को सौंप दिया जाएगा, जो 21 नवंबर से आरंभ होने वाले ध्वजारोहण पूजन अनुष्ठान में इसका प्रयोग करेंगे।

शराब की बोतल अब खुद बताएगी अपनी असलियत

क्यूआर कोड स्कैन करते ही बोतल का पूरा बायोडाटा मोबाइल स्क्रीन पर होगा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।शराब असली है या नकली यह सवाल अब महज़ शक की बात नहीं, सीधे आपकी पकड़ में होगा, क्योंकि अब सरकार ने ऐसी व्यवस्था कर दी है कि शराब की हर बोतल खुद अपना सच उगल देगी। उत्तर प्रदेश की सरकार ने शराब की असलियत जांचने के लिए एक खास मोबाइल अनुप्रयोग शुरू किया है। अब बोतल पर छपे क्यूआर कोड को अपने मोबाइल से स्कैन करते ही पूरी जानकारी सामने आ जाएगी। शराब किस ब्रांड की है, कितनी तीव्रता है, किस गोदाम से आई, कब स्टॉक में जोड़ी गई और पैकिंग कैसी है।

यानी अब बोतल की जुबान बंद नहीं रहेगी। इस अनुप्रयोग की शुरुआत आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल ने की। यह सरकारी डिजिटल मंच शराब की बिक्री और पारदर्शिता को मजबूत करने के लिए बनाया गया है।

राज्य में बिकने वाली हर बोतल पर एक अलग क्यूआर कोड अनिवार्य किया गया है, जिसे स्कैन करते ही पूरी असलियत सामने आ जाती है।

ग्राहक, दुकानदार और अधिकारी तीनों के लिए यह साधन उपयोगी है। इससे अवैध बिक्री, मिलावट और जाली बोतलों पर रोक लगाने में बड़ी मदद मिलेगी। इससे पहले लोग सिर्फ होलोग्राम, कैप-सील, एमआरपी और बैच नंबर देखकर अंदाजा लगाते थे कि शराब असली है या नहीं।

नकली शराब बेचने या बनाने वालों पर कड़ी कार्रवाई तय है।

जुर्माना, जेल और जहरीली शराब से मौत होने पर हत्या जैसी गंभीर धाराएं भी। सरकार ने लोगों से अपील की है कि शराब खरीदते समय आधिकारिक अनुप्रयोग से क्यूआर कोड की जांच जरूर करें। कोई भी गड़बड़ी दिखे तो तुरंत जिला आबकारी अधिकारी या विभाग की टोल फ्री मुफ्त सहायता नंबर 14405 पर सूचना दें।

चारबाग स्टेशन पर रेलवे के खिलाफ जमकर नारेबाजी

कुलियों का जोरदार प्रदर्शन! नौकरी में पारदर्शिता की मांग

2008 की तरह आजीविका सुरक्षित रखने की अपील

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। राजधानी के चारबाग रेलवे स्टेशन पर कुलियों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय कुली मोर्चा के बैनर तले सैकड़ों की संख्या में इकट्ठा हुए कुलियों ने स्टेशन परिसर के बाहर बैनर-पोस्टर लगाकर रेलवे प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी की। प्रदर्शनकारी कुलियों का कहना है कि साल 2008 की तरह इस बार भी रेलवे को उनके लिए नौकरी का प्रावधान करना चाहिए, ताकि उनकी आजीविका सुरक्षित रहे।

जानकारी के मुताबिक, कुलियों ने आरोप लगाया कि स्टेशन पर संचालित बैटरी चलित कारों का प्रयोग उनके अधिकारों और आम यात्रियों की सुविधा के विरुद्ध किया जा रहा है। उनका कहना है कि बैटरी कारें मूल रूप से दिव्यांग, बीमार और वरिष्ठ नागरिकों के लिए चलाई गई थीं, लेकिन अब उनसे अनुचित रूप से शुल्क वसूला जा रहा है। प्रदर्शनकारी कुलियों के अनुसार बैटरी कार संचालक यात्रियों से 50 रुपये और लगेज के नाम पर 30 रुपये ज्यादा वसूल रहे हैं, जिससे रेलवे के निर्धारित नियमों का उल्लंघन हो रहा है और यात्रियों पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है।

कुलियों का कहना है कि बैटरी कारों के इस्तेमाल को नियमित और पारदर्शी बनाया जाए, ताकि इसका फायदा सही जरूरतमंदों तक पहुंच सके और अवैध वसूली पर रोक लगे। साथ ही उन्होंने मांग की कि रेलवे प्रशासन उनकी नौकरी और रोज़गार की सुरक्षा सुनिश्चित करे। कुलियों का कहना है कि अगर बैटरी कारों की तैनाती बढ़ाई जाती है और उनकी सेवाओं को सीमित कर दिया जाता है, तो उनकी नौकरी खतरे में पड़ सकती है। प्रदर्शन स्थल पर कुलियों का कहना था कि उनकी आजीविका सालों से इस स्टेशन पर निर्भर रही है, लेकिन नई व्यवस्थाओं के कारण उनका काम लगातार कम होते जा रहा है। कुलियों ने चेतावनी दी कि अगर रेलवे ने उनकी माँगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की, तो वे बड़े पैमाने पर आंदोलन करने के लिए मजबूर हो जायेंगे।

राष्ट्रीय कुली मोर्चा के प्रतिनिधियों ने बताया कि वे अपनी दिक्कतों से जुड़े ज्ञापन रेलवे अधिकारियों को सौंपेंगे और जरूरी कदम उठाने की अपील करेंगे। प्रदर्शन के कारण स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल भी देखने को मिला, हालांकि यात्री सेवाओं पर इसका कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा। कुलियों का यह आंदोलन तब तक जारी रहने की संभावना है, जब तक रेलवे उनकी मुख्य मांगों पर सकारात्मक फैसला नहीं लेता।

सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन लखनऊ में ली अंतिम सांस

बेटे ने की पुष्टि, राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ/मऊ। मऊ जिले की चर्चित घोसी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक सुधाकर सिंह का लखनऊ के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके बेटे डॉक्टर सुजीत सिंह ने पिता के निधन की पुष्टि की।

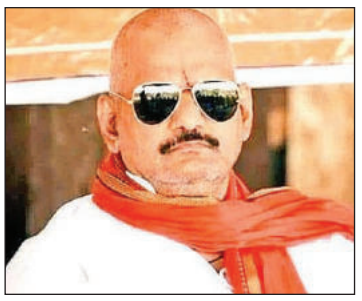

67 साल की उम्र में सुधाकर सिंह का निधन हुआ। शुरुआती जानकारी मिली है कि 17 नवंबर को दिल्ली में मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर अंसारी के रिसेप्शन से लौटने के बाद उनकी तबीयत खराब हो गई थी। इसके बाद उन्हें मंगलवार को इलाज के लिए लखनऊ ले जाया गया था। लखनऊ के मेदांता अस्पताल में गुरुवार सुबह उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली।

उनके बेटे सुजीत सिंह ने बताया कि विधायक सुधाकर सिंह की तबीयत पिछले कुछ दिनों से खराब चल रही थी। स्वास्थ्य में गंभीर गिरावट आने के बाद उन्हें मंगलवार को इलाज के लिए लखनऊ ले जाया गया था। मेदांता अस्पताल में डॉक्टरों की टीम उनकी देखरेख कर रही थी, लेकिन इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। सुधाकर सिंह हाल ही में हुए उपचुनाव में अपनी जीत के कारण काफी चर्चा में थे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी दारा सिंह चौहान को एक बड़े अंतर से हराकर अपनी सीट बरकरार रखी थी।

सुधाकर सिंह की कद्दावर नेताओं में गिनती होती थी। वह मूल रूप से घोसी के रहने वाले थे। घोसी सीट पर 2023 में उपचुनाव हुआ। जिसमें सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह ने दारा सिंह चौहान को हराया था। सियासी जानकारों के मुताबिक भाजपा के जातीय समीकरण फेल हो गए। सपा का पीडिए फॉर्मूला पूरी तरह सफल रहा। ठाकुर उम्मीदवार होने के बावजूद सपा को भारी समर्थन मिला। भाजपा 2022 के चुनाव में मिले वोटों तक नहीं पहुंच पाई।

अखिलेश यादव ने अस्पताल पहुंचकर दी अंतिम विदाई

सुधाकर सिंह के निधन की खबर मिलते ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सीधे अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने दिवंगत विधायक के परिजनों को सांत्वना दी। नम आंखों से श्रद्धांजलि देते हुए अखिलेश ने ङ्क पर लिखा–घोसी विधानसभा से समाजवादी पार्टी के विधायक श्री सुधाकर सिंह जी का निधन, अत्यंत दुःखद ! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोक संतप्त परिजनों को यह असीम दुःख सहने का संबल प्राप्त हो। भावभीनी श्रद्धांजलि !

पुलिस-एसआईए की अंग्रेजी अखबार के दफ्तर में छापेमारी

एके-47 और पिस्टल की गोली और ग्रेनेड का लीवर बरामद

» जम्मू, एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने जम्मू में एक अंग्रेजी अखबार के दफ्तर में छापामारी की है। अखबार के ऑफिस पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने, देश के खिलाफ नफरत फैलाने और संप्रभुता को खतरा पहुंचाने के आरोप हैं। साई की एफआईआर में अंग्रेजी अखबर कश्मीर टाइम्स की एडिटर का नाम भी है, उनके लिंक्स और गतिविधियों के बारे में पूछताछ की जा सकती है।

सूत्रों के अनुसार, एसआईए की छापेमारी के दौरान कश्मीर टाइम्स न्यूज पेपर कार्यालय जम्मू में तलाशी अभियान के दौरान एके-47 और पिस्तौल के कुछ राउंड और ग्रेनेड का एक लीवर बरामद किया गया है। जम्मू और कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने गुरुवार को देश के खिलाफ गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में कश्मीर टाइम्स के ऑफिस पर छापा मारा। एक अधिकारी ने कहा कि अखबार के खिलाफ देश के हितों के खिलाफ एक्टिविटीज़ का महिमामंडन करने का केस दर्ज किया गया है।

अधिकारी ने कहा कि एसआईए के अधिकारियों ने अखबार की जगह और कंप्यूटर की पूरी तलाशी ली। पब्लिकेशन और उसके प्रमोटर्स के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, और उनसे पूछताछ हो सकती है।

श्रीनगर, अनंतनाग और कुलगाम जिलों में व्यापक छापामारी

दिल्ली में ब्लास्ट की घटना के बाद से जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं। इसी क्रम में दो दिन पहले काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने एक बड़े आतंकी साजिश मामले में कार्रवाई की थी। श्रीनगर, अनंतनाग और कुलगाम जिलों में व्यापक छापामारी की है।

सूत्रों के अनुसार, श्रीनगर के शिरीन बाग स्थित सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भी छापेमारी की कार्रवाई की गई थी। सीआईके ने आतंकवाद में शामिल और आतंकवादियों का महिमामंडन करने तथा आतंकवादी समूहों में भर्ती के उद्देश्य से कट्टरपंथ फैलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज एक नए मामले में तलाशी ली गई थी। तलाशी के लिए कोर्ट से सर्च वारंट भी लिया गया था।

परिवार संग ताजमहल देखने आगरा पहुंचे जूनियर डोनाल्ड

ताजमहल की खूबसूरती देख बोले छोटे ट्रम्प- वाह ताज!

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

आगरा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे बृहस्पतिवार को अपने परिवार के साथ आगरा पहुंचे। उन्होंने विश्व प्रसिद्ध ताजमहल का नजारा करीब 45 मिनट तक निहारा और इसकी अद्भुत वास्तुकला की जमकर सराहना की। 2 बजे उनका काफिला ताज परिसर पहुंचा, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

ताज के सामने स्थित मशहूर डायना बेंच पर ट्रंप जूनियर और उनके परिवार का विशेष फोटोशूट पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। ताजमहल के प्रति उनकी उत्सुकता और प्रशंसा को देखकर आगरा में उत्साह का माहौल बन गया।

जूनियर डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों भारत यात्रा पर हैं और उदयपुर में होने वाली एक भव्य शाही शादी में शामिल होने के लिए देश आए हैं। समारोह के बाद वे राजस्थान में तीन दिन तक रुकेंगे। इसी यात्रा कार्यक्रम के तहत वे आज आगरा पहुंचे और दुनिया की इस धरोहर का भ्रमण किया।

उनकी यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। आगरा पुलिस ने अमेरिकी सुरक्षा टीम के साथ मिलकर विस्तृत सुरक्षा योजना तैयार की थी। अमेरिकी एजेंसियों की एक विशेष टीम दो दिन पहले ही आगरा पहुंचकर सभी इंतजामों की समीक्षा कर चुकी थी। ट्रंप जूनियर के आगमन से ताजमहल परिसर से लेकर मार्गों तक सुरक्षा और उत्साह दोनों चरम पर रहे। कई स्थानों पर स्वागत की तैयारियां की गई थीं। पर्यटक भी उन्हें देखकर काफी उत्साहित नजर आए। प्रशासनिक अधिकारियों ने पूरे दौरे के दौरान सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन में कोई कमी नहीं छोड़ी।